



MARGASHIRSHA AMAVASYA || मार्गशीर्ष अमावस्या ||

Margashirsha Amavasya

मार्गशीर्ष अमावस्या (Margashirsha Amavasya) को पितृ दोष और मंगल दोष से मुक्ति के लिए विशेष उपाय माना जाता है।

12 दिसंबर 2023, मंगलवार को मार्गशीर्ष अमावस्या पड़ेगी। यह साल की आखिरी भौमवती अमावस्या होगी। मान्यता है कि भौमवती अमावस्या के दिन पितरों और हनुमान जी की पूजा करने और औषधीय उपाय करने से मंगल दोष और पितृ दोष दूर हो जाते हैं और घर में सुख-समृद्धि बनी रहती है।

जिन लोगों को मांगलिक दोष के कारण विवाह में बाधाएं आ रही हैं वे मार्गशीर्ष माह की भौमवती अमावस्या पर कुछ विशेष उपाय करके इस समस्या से छुटकारा पा सकते हैं।

मार्गशीर्ष अमावस्या पूजा विधि

- पितरों की पूजा में मार्गशीर्ष अमावस्या का बहुत महत्व है। इस दिन व्रत रखकर व्यक्ति अपने पितरों की पूजा करता है और उनका आशीर्वाद प्राप्त करता है।
- सुबह पवित्र नदी, तालाब या पोखर में स्नान करें और सूर्य देव को अर्घ्य दें। स्नान के बाद बहते पानी में तिल छिड़कें और गायत्री मंत्र का जाप करें।
- स्वीकृत परंपरा के अनुसार, वे भगवान विष्णु या भगवान शिव की पूजा करते हैं।
- नदी तट पर अपने पूर्वजों को तर्पण दें और उनकी मुक्ति के लिए प्रार्थना करें।
- जो लोग मार्गशीर्ष अमावस्या का व्रत करते हैं उन्हें इस दिन पानी नहीं पीना चाहिए।
- पूजा-पाठ के बाद भोजन और वस्त्र आदि का यथाशक्ति किसी जरूरतमंद व्यक्ति या ब्राह्मण को दान करें।

मार्गशीर्ष अमावस्या के उपाय

- मार्गशीर्ष अमावस्या (Margashirsha Amavasya) मंगलवार को होगी। ऐसे में अगर मंगल दोष के कारण आपकी शादी में देरी हो रही है तो आप मंगल के बीज मंत्र "ओम क्रां क्रीं क्रीं सर भौमाय नमः" का 108 बार जाप कर सकते हैं या सोना, अंगूर और घी, लाल मसूर, कस्तूरी आदि का उपयोग करें। गरीबों को केसरिया, लाल वस्त्र, मूंगा और तांबे का बर्तन दें।
- मार्गशीर्ष अमावस्या (Margashirsha Amavasya) के दिन त्रिपिंडी श्राद्ध करने से पितरों की तीन पीढ़ियां तृप्त होती हैं। कुछ लोगों को पितृ दोष से भी राहत मिलती है। त्रिपिंडी श्राद्ध करने से पितरों को खुशी मिलती है और घर में सुख, शांति और समृद्धि आती है।
- प्रगति का मार्ग सरल है। मार्गशीर्ष अमावस्या के दिन लोग पानी में तिल डालकर स्नान करते हैं। फिर तर्पण को पवित्र किया जाता है और पैतृक देवता अर्यमा की पूजा की जाती है। इस दिन पितृ सूक्त का पाठ करें। ये उपाय आपकी तरक्की में बाधक बन रही परेशानियों को खत्म कर देंगे।
- धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, अमावस्या तिथि पर स्नान के बाद पितरों को जल तर्पण करना चाहिए। पितरों का स्मरण करके हाथ में कुश की पवित्री धारण करते हैं और फिर पितरों को काले तिल और जल से तर्पण करते हैं। इससे नाराज पितर प्रसन्न होते हैं।
- पितृ दोष से मुक्ति के लिए आप मार्गशीर्ष अमावस्या के दिन त्रिपिंडी श्राद्ध कर सकते हैं। यदि आप सब कुछ ठीक करेंगे तो तीन पीढ़ियों के पूर्वज प्रसन्न रहेंगे। उनके आशीर्वाद से सुख, शांति और समृद्धि बढ़ती है।
- मार्गशीर्ष अमावस्या के दिन पितरों को प्रसन्न करने के लिए पंचबलि संस्कार किया जा सकता है। इसमें पितरों के लिए भोजन बनाते हैं फिर वे गाय, कौवे, कुत्ते, देवताओं आदि को अर्पित करते हैं। धार्मिक मान्यता के अनुसार, पंचवारी करम करने से पितरों को भोजन प्रदान किया जाता है। वे खुश होंगे और अपने बच्चों को आशीर्वाद देंगे।
- मार्गशीर्ष अमावस्या में स्नान के बाद कुल देवता अर्यमा की पूजा करें। इस दौरान पितृ सूक्त का पाठ करें। इससे आपके पूर्वज प्रसन्न होंगे।

Read More religious content on

vedicprayers.com